www.syed14peer.com

७८६/९२

नक़्शे तहफ़्फ़ुज़ रूहानी व हल्लुल मुश्किलात

इस नक़्श को देखने वाले की हर मुश्किल हल होगी इन्शाअल्लाह

अस्सलामुल्मुहम्मदिय्यु ﷺ मिनल मीमिल अर्बईन बिदूनिन्नुक़्ते

सलामे मोहम्मदी चहेल मीम ग़ैर मन्क़ूत़ 22

मुरत्तिब

बमौक़ा ज़ुल्हिज्जा 1438हि0

बफ़ैज़े रूहानी सय्यिदुना मोहयुद्दीन
व सय्यिदुना मोईनुद्दीन व हज़रात
मख़्दूमीन सादात चौदहों पीराँ रज़ि.

मोहम्मद अ़ज़ीज़ सुल्तान नाचीज़

2

मअ़स्मिल्लाहिल मालिकिस्सलामि अल्लाहुम्म कल ह़म्दु ला इलाह इल्लल्लाहु स़ल्लि कामिलवँ व सल्लिम दाइमवँ व करिम सर्मदन अ़ला मौलाई लम्ड्रकल आ़लमि वल्ला आ़लमि अत्लअ़ल्लाहु कुल्लहू म अ़ लम्ड्रही मौलिदुहुल ह़ र मु कमा स़ल्लल्लाहु वसल्ल म व कर्र म अ़ला मुअस्सिसि दारिल ह़ र मि व आलिही व हु व लम्ड्रकल उद्दु मुह़म्मदुर रसूलुल्लाहि व अल्मअ़ल्लाहु वालिदहू कुल्लल वालिदि वउम्महू कुल्लल उम्मि वआलहू कुल्लल आलि वअ़ला वालिदिही व उम्मिही व आलिही वल्मौला अ़लिय्यिवँ व वलदै अ़लिय्यिवँ व उम्मिहिमा व मुह़यिलइस्लामि व आलिही व वालिल इस्लामि व आलिही व अह़ म द व लिय्यिल्लाहि व ह़वारिय्यि वलीयिल्लाहि व आलिही वकुल्लि उममि रसूलिल्लाहि कुल्लल ह़ालि।

3

मुराद: अल्लाह के इस्म के सहारे कि वही मालिक व सलामी वाला है। ऐ हमारे अल्लाह सारी ह़म्द अल्लाह ही के लिए है वाह़िद अल्लाह ही इलाह है कामिल दुरुद दाइमी सलाम और सर्मदी करम हमारे मौला अल्लाह की उस मक्काँ और लामकाँ की दमक के लिए वारिद हो कि अल्लाह उस की दमक से सारे आ़लम को दमक वाला कर दिए उस का मौलिद मक्का है उसी त़रह़ दुरूदो सलाम और करम कि अल्लाह वारिद किए मेअ़मारे ह़रम के लिए और उस की आलो औलाद के लिए और वह अल्लाह की मोह की दमक मोह़म्मद ﷺ अल्लाह का रसूल है और अल्लाह दमक वाला किए उस रसूल के वालिद को सारे वालिद से और माँ को सारी माओं से और आलो औलाद को सारी आलो औलाद से और (दुरूदो सलाम) उस रसूल के वालिद के लिए हो और माँ के लिए हो और आल के लिए हो, मौला अ़ली के लिए हो, मौला अ़ली के लाडलों के लिए हो और मौला अ़ली के लाडलों की वालिदह के लिए हो, इस्लाम के मुह़यी केलिए हो और आल केलिए हो, इस्लाम के मददगार केलिए हो और आल केलिए हो और अह़मद वलीयुल्लाह केलिए हो और वलीयुल्लाह के हम दमों के लिए हो और आल के लिए हो, अल्लाह के रसूल की सारी उमम के लिए हो हर दम ।

तौज़ीह़ी तर्जमा:- अल्लाह के इस्म के साथ जो मालिक है सलामती देने वाला है ऐ हमारे अल्लाह तमाम तअ़रीफ़ तेरे ही लिए

4

है अल्लाह के सिवा कोई मअ़बूद नहीं तू ख़ूब ख़ूब ऐसा कामिल दुरुद दाइमी सलाम और सर्मदी करम नाज़िल फ़रमा हमारे मौला अपने मकानो लामकाँ के उस नूर पर जिस के नूर से तूने सारे जहान को रौशन फ़रमाया कि जिन की विलादत की जगह मक्का शरीफ़ है जैसा कि तूने दुरूदो सलाम और करम नाज़िल फ़रमाया सय्यिदुना इब्राहीम अ़लैहिस्सलाम पर और उन की आलो औलाद पर और वह तेरे नूरे मुह़ब्बत मोह़म्मद ﷺ अल्लाह के रसूल हैं कि जिनके वालिद (सय्यिदुना अ़ब्दुल्लाह रदि़यल्लाहु अ़न्हु) को अल्लाह ने तमाम वालिद में सब से ज़्यादा मुनव्वर फ़रमाया और जिनकी माँ (बी बी आमिना रदि़यल्लाहु अ़न्हा) को तमाम माओं में सबसे ज़्यादा मुनव्वर फ़रमाया और जिनकी आलो औलाद को तमाम आलो औलाद में सबसे ज़्यादा मुनव्वर फ़रमाया और (दुरूदोसलाम नाज़िल हो)आप ﷺ के वालिद पर और आप ﷺ की वालिदह पर और आल पर, ह़ज़रत मौला अ़ली रदि़यल्लाहु अ़न्हु पर और मौला अ़ली के दोनों लाडलों इमामे ह़सन व इमामे ह़ुसैन अ़लैहिमस्सलाम पर और ह़स्नैन करीमैन की वालिदह ख़ातूने जन्नत सय्यिदह बीबी फ़ातेमा ज़हरा रदि़यल्लाहु अ़न्हा पर और दीन के ज़िन्दा करने वाले मुह़यिद्दीन सय्यिदुना शैख़ अ़ब्दुल क़ादिर जीलानी रदि़यल्लाहुअ़न्हु पर आप की आल पर और दीन के मददगार ख़्वाजा मोईनुद्दीन ह़सन सन्जरी पर आप की आल पर और ह़ज़रत मख़्दूम सय्यिद अह़मद वलीयुल्लाह

5

पर आप के अस्ह़ाबे रूहानी पर और आल पर, और अल्लाह के रसूल के सारे उम्मतियों पर हर दम ।

फ़ज़ीलते सलामे मोहम्मदी ﷺ चहेल मीम ग़ैर मन्क़ूत़(22)

यह "सलामे मोहम्मदी ﷺ चहेल मीम" जो कि 40 मीम के साथ बेग़ैर नुक़्ते वाले हुरूफ़ पर मुश्तमिल है इस का तर्जमा भी ग़ैर मन्क़ूत है जिस को समझने के लिए तौज़ीही तर्जमा शामिल है जो शख़्स इस दुरूद को रोज़ाना100/11/5 बार पढ़ने का अपना मअ़मूल बनाएगा उसे अल्लाहो रसूल की मोह़ब्बत और ख़ुश्नूदी ह़ासिल होगी उस का नफ़्स ईमान वाला और इस्लाम की पैरवी करने वाला हो जाएगा उस का ज़ाहिरो बात़िन मक़ामे एह़सान पाने वाला होगा और वह शैत़ान मरदूद और उस के तमाम लश्करियों के तमाम ह़रबों से महफ़ूज़ होजाएगा और उस की हर दुआ क़बूल होगी नीज़ उसे अहले बैत व स़ह़ाबए केराम का दीदार होगा और ईमान पर ख़ातिमा होगा। इन्शाअल्लाह तआ़ला।

नोट:- आस्तान-ए-ह़ज़रात मख़्दूमीन सादात चौदहों पीराँ रज़ि. से मुतअ़ल्लिक़ जुम्ला मत़बूआ़त मस्लन "दुरूदे रूहानी व दोआ़-ए-क़ल्बी, दुरूदे मोह़म्मदी, सलामे मोह़म्मदी मअ़ अस्रारे "मीम ह़ा मीम दाल" और दुरूदे चहल मीम"वग़ैरह www.syed14peer.com पर मुलाह़ज़ा कर सकते हैं। Mo. 9695435877